देवसंस्कृति विवि और ज्ञानसिटी डेनमार्क के बीच हुआ एमओयू साइन।

डेनमार्क में जगाएंगे विचार क्रांति की अलख

अमर उजाला ब्यूरो

- देव संस्कृति विवि और ज्ञानसिटी के मध्य हुआ एमओयू

हरिद्वार। देव संस्कृति विश्वविद्यालय डेनमार्क में विचार क्रांति की अलख जगाएगा। इस बारे में विवि और ज्ञानसिटी डेनमार्क के बीच एमओयू हुआ है। इसके अंतर्गत शोध के नए आयामों, स्कॉलरशिप, कांफ्रेंस, सेमिनार, शैक्षिक व शिक्षण तकनीकों इत्यादि के क्षेत्र में काम करने पर सहमति बनी है। दोनों संस्थाएं शोध के विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान के विविध आयामों पर विचारों का आदान-प्रदान करेगा। एमओयू में देसंविवि के कंप्यूटर विभागाध्यक्ष प्रो. अभय सक्सेना एवं ज्ञानसिटी डेनमार्क के डायरेक्टर विश्वजीत पांडेय ने हस्ताक्षर किए।

देवसंस्कृति विश्वविद्यालय 14 वर्ष की अवधि में योग, शिक्षा, शोध, सेवा और विभिन्न उपलब्धियों के अनेक कीर्तिमान गढ़े हैं। इन्हीं उपलब्धियों पर ज्ञानसिटी डेनमार्क के डायरेक्टर विश्वजीत पांडेय देसंविवि पहुंचे जहां उन्होंने एमओयू हस्ताक्षर किए। उन्होंने विवि के अभिनव प्रयोगों को ज्ञानसिटी के साथ मिलकर नई उपलब्धियां गढ़ने की दिशा में कदम आगे बढ़ाने की बात कही। प्रतिकुलपति डा. चिन्मय पंड्या ने कहा कि इस समझौते से तकनीकी एवं ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में नए विचारों को शोधात्मक दृष्टि से देखकर उसे समाज के उपयोग के लिए विकसित करेंगे।

कुलाधिपति डा. प्रणव पंड्या ने कहा कि प्रकृतिगत ज्ञान और तकनीकी समन्वय ही व्यक्ति व समाज को परिमार्जित कर सकता है। ज्ञानसिटी डेनमार्क से मिलकर इंटरनेशनल जनरल्स का प्रकाशन भी इस एमओयू का मुख्य हिस्सा है। ज्ञानसिटी डेनमार्क के डायरेक्टर विश्वजीत पांडेय ने कहा कि देसंविवि व ज्ञानसिटी मिलकर ज्ञान एवं विभिन्न आयामों के वैज्ञानिक तकनीकी से शोध करेगा। कहा इटली के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ यूरो फिजिक्स विभाग से भी जुड़े है। उल्लेखनीय है कि देसंविवि ने अब तक अर्जेंटीना, जर्मनी, इटली, स्विटजरलैंड, रशिया, लाटविया, अमेरिका, इंग्लैंड, चीन सहित 15 से अधिक देशों के शैक्षणिक संस्थानों से एमओयू किए है।

विचार क्रांति की अलख जगाएगा देसंविवि

हरिद्वार | वरिष्ठ संवाददाता

देवसंस्कृति विश्वविद्यालय और ज्ञानसिटी डेनमार्क के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू हुआ है। इसके तहत शोध के नए आयामों, स्कॉलरशिप, कांफ्रेंस, सेमीनार, शैक्षिक और शिक्षण तकनीक के क्षेत्र में काम करने पर सहमति बनी है। दोनों संस्थान शोध के विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान के विविध आयामों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

एमओयू पर देसंविवि के कंप्यूटर विभागाध्यक्ष प्रो. अभय सक्सेना और ज्ञानसिटी डेनमार्क के डायरेक्टर विश्वजीत पांडेय ने साइन किये। देसंविवि कई वर्षों से योग, शिक्षा, शोध, सेवा आदि क्षेत्रों में काम कर रहा है। इन्हीं उपलब्धियों से प्रभावित होकर ज्ञानसिटी डेनमार्क के डायरेक्टर बुधवार को विवि पहुंचे और एमओयू पर हस्ताक्षर किये। उन्होंने विवि के प्रयोगों को ज्ञानसिटी के साथ मिलकर नई उपलब्धियां गढ़ने की दिशा में कदम आगे बढ़ाने की बात कही।

हरिद्वार में देव संस्कृति विवि और ज्ञानसिटी डेनमार्क के बीच हुआ एमओयू। ● हिन्दुस्तान

विवि के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि इस समझौते से तकनीकी और ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में नए विचार सामने आएंगे। कुलाधिपति डॉ. प्रणव पण्ड्या ने कहा कि प्रतिगत ज्ञान और तकनीकी समन्वय ही व्यक्ति और समाज को परिमार्जित कर सकता है। ज्ञानसिटी डेनमार्क से मिलकर इन्टरनेशनल जनरल्स का प्रकाशन भी इस एमओयू का मुख्य हिस्सा है।

ज्ञानसिटी डेनमार्क के डायरेक्टर विश्वजीत पांडेय इटली के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ यूरो फिजिक्स विभाग से भी जुड़े हैं। देव संस्कृति विश्वविद्यालय ने अब तक अर्जेन्टिना, जर्मनी, इटली, स्विटजरलैण्ड, रशिया, लाटविया, अमेरिका, इंग्लैण्ड, चीन सहित 15 से अधिक देशों के शैक्षणिक संस्थानों से एमओयू किये हैं। इनमें लगातार सफलता मिल रही है।

डेनमार्क में विचार क्रांति की अलख जगाएगा देसंविवि

- देसंविवि और ज्ञानसिटी डेनमार्क के मध्य हुआ महत्वपूर्ण एमओयू

संवाद सहयोगी, हरिद्वार : देवसंस्कृति विश्वविद्यालय और ज्ञानसिटी डेनमार्क के बीच बुधवार सुबह एमओयू हुआ। इसके अंतर्गत शोध के नए आयाम, स्कॉलरशिप, कॉन्फ्रेंस, सेमीनार, शैक्षिक व शिक्षण तकनीक आदि के क्षेत्र में कार्य करने को लेकर सहमति बनी है। दोनों संस्थाओं में सामंजस्य के अनुसार शोध के विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान के विविध आयामों पर विचारों का आदान प्रदान किया जाएगा। एमओयू में देसंविवि के कम्प्यूटर विभागाध्यक्ष प्रो. अभय सक्सेना एवं ज्ञानसिटी डेनमार्क के डायरेक्टर विश्वजीत पाण्डेय ने हस्ताक्षर किए।

देवसंस्कृति विश्वविद्यालय ने मात्र 14 वर्ष की अवधि में योग, शिक्षा, शोध, सेवा और विभिन्न उपलब्धियों के अनेक कीर्तिमान गढ़े हैं। यहां की वैचारिक क्रांति विभिन्न देशों को आलोकित कर रही है। इन्हीं उपलब्धियों से प्रभावित हो ज्ञानसिटी डेनमार्क के डायरेक्टर विश्वजीत पाण्डेय देसंविवि

देसंविवि व ज्ञानसिटी के बीच हुए एमओयू का हस्ताक्षरित पत्र दिखाते देसंविवि के प्रतिकुलपति डा. चिन्मय पंड्या व ज्ञान सिटी डेनमार्क के डायरेक्टर विश्वजीत पांडेय।

पहुंचे जहां उन्होंने एमओयू हस्ताक्षरित किए। इस अवसर पर प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पंड्या ने कहा कि इस समझौते से तकनीकी एवं ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में नए विचारों को शोधात्मक दृष्टि से देखकर उसे समाज के उपयोग के लिए विकसित करेंगे। कुलाधिपति डॉ. प्रणव पंड्या ने कहा कि प्रकृतिगत ज्ञान और तकनीकी समन्वय ही व्यक्ति व समाज को परिमार्जित कर सकता है। ज्ञानसिटी डेनमार्क से मिलकर इंटरनेशनल जर्नल्स का प्रकाशन भी इस एमओयू का मुख्य हिस्सा है। ज्ञानसिटी डेनमार्क के डायरेक्टर विश्वजीत पाण्डेय ने कहा कि देसंविवि व ज्ञानसिटी मिलकर वैज्ञानिक तकनीकी से शोध करेगा। देसंविवि ने अब तक अर्जेंटाइना, जर्मनी, इटली, स्विटजरलैंड, रशिया, लाटविया, अमेरिका, इंग्लैण्ड, चीन सहित 15 से अधिक देशों के शैक्षणिक संस्थानों से एमओयू किए है।